No. of Printed Pages : 2

MHN–005

एम. ए. (हिन्दू अध्ययन)

(एम. ए. एच. एन.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.एच.एन.-005 : धर्म एवं कर्म विमर्श

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। निर्देशानुसार ही उत्तर दीजिए। हिन्दी अथवा अंग्रेजी अथवा संस्कृत में से किसी एक भाषा में उत्तर दीजिए।*

खण्ड —क

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए :* 3×20=60

1. महाभारत के अनुसार धर्म का विश्लेषण कीजिए।
2. मीमांसा की सर्वव्यापकता का वर्णन कीजिए।
3. ऋत की सर्वव्यापकता पर प्रकाश डालिए।
4. कर्म, अकर्म एवं विकर्म की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।

5. सात्विक ज्ञानविषयक अवधारणा का वर्णन कीजिए।

6. भगवद्गीता के अनुसार बन्धन-प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

खण्ड —ख

निर्देश : *अधोलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

1. षोडश संस्कारों का वर्णन कीजिए।

2. त्रिविध तापों का निरूपण कीजिए।

3. जीवन्मुक्त विषयक अवधारणा का वर्णन कीजिए।

4. सांख्य मत में जीव का वर्णन कीजिए।

5. जैनदर्शन में बन्धन विचार पर प्रकाश डालिए।

6. सांची-मंदिर पर टिप्पणी लिखिए।

7. पिण्डदान पर टिप्पणी लिखिए।

× × × × ×